DIRECTORATE OF DISTANCE EDUCATION

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK

New Scheme of Examination

Master of Arts (Hindi)
Two Year Programme (Annual)

M.A. (Previous)

Paper	Nomenclature	Marks
HI1001	आधुनिक हिंदी कविता	**100**
HI1002	आधुनिक गद्य साहित्य	**100**
HI1003	हिंदी साहित्य का इतिहास	**100**
HI1004	भाषाविज्ञान	**100**
HI1005	विशेष रचनाकार कबीरदास	**100**

M.A (Final)

Paper	Nomenclature	Marks
HI2001	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	**100**
HI2002	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**100**
HI2003	प्रयोजनमूलक हिंदी	**100**
HI2004	भारतीय साहित्य	**100**
HI2006	(विकल्प–।।) नाटक और रंगमंच	**100**

एम0 ए0 प्रथम वर्ष

आधुनिक हिंदी कविता
PAPER CODE:HI1001

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

क पाठ्य विषय

1 मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)

2 जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, रहस्य, इडा सर्ग)

3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, कुकरमुता

4 सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, नदी के द्वीप, बावरा अहेरी, सत्य तो बहुत मिले, खुल गई नाव, हिरोषिमा, मैंने देखा एक बूँद

5 नागार्जुन : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, सत्य, तीन दिन तीन रात ।

6 गजानन माधव मुक्तिबोधः अंधेरे में मुक्तिबोध की प्रतिनिधि कविताएँ।

ख आलोच्य विषय

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य ।

कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्य बोध ।

निराला : छायावादी काव्य परम्परा में निराला का स्थान, निराला काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्तिपूजा का मूल कथ्य ।

अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा

नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा, काव्य शिल्प

गजानन माधव मुक्तिबोधः मुक्तिबोध का शिल्प, भाषा एवं राजनैतिक चितंन।

सहायक ग्रंथ

1 मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता डॉ0 उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

2 मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : डॉ0 ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर ।

3 साकेत एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

4 संपूर्ण कामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा) : डॉ0 हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5 निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6 नई कविता की भूमिका : डॉ0 प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

7 छायावादी काव्य और निराला : डॉ0 कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।

8 निराला : डॉ0 पदम सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

9 निराला और नवजागरण : डॉ0 रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर ।

10 निराला – डॉ0 रामविलास शर्मा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।

11 निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली ।

12 छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह

13 निराला की साहित्य साधना – डॉ0 रामविलास शर्मा तीनों खंड

14 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता – डॉ0 ललन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक ।

15 अज्ञेय की काव्य चेतना – डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली ।

16 नागार्जुन का रचना संसार : सम्पा0 विजय बहादुर सिंह

17 आलोचना का नागार्जुन विशेषांक

18 सागर से शिखर तक : राम कमल राय (लोकभारती)

19 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
20 फिलहाल : अशोक वाजपेयी
21 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
22 अज्ञेय का रचना संसार : सम्पा0 गंगा प्रसाद विमल
23 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांत वांदिवडेकर
24 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
25 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
26 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ0 विद्या निवास मिश्रा
27 नागार्जुन की कविता : डॉ0 अजय तिवारी
28 नागार्जुन की काव्य यात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
29 नागार्जुन की कविता में युगबोध : चन्द्रिका ठाकुर
30 नागार्जुन और उनका रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
31 आलोचना नागार्जुन विशेषांक 1981
32 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन – जगन्नाथ पंडित
33 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल छह अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा ।
2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छह प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 42 अंकों का होगा ।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा ।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।

आधुनिक गद्य साहित्य
PAPER CODE: HI1002

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

पाठ्य विषय

1 गोदान – प्रेमचंद
2 आवारा मसीहा– शरत् चन्द्र चट्टोपाध्याय
3 कथान्तर – संपा0 डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली
निर्धारित कहानियाँ – उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, पत्नी, वापसी, परिंदे और बयान
4 चंद्रगुप्त – जय शंकर प्रसाद
5 आधे–अधूरे – मोहन राकेश
6 निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, नाखून क्यों बढते हैं, पगडंडियों का जमाना, अस्ति की पुकार हिमालय ।

आलोच्य विषय

गोदान	1	कृषक जीवन का महाकाव्य
	2	युगीन समस्याओं का निरूपण
	3	प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण
	4	प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान
आवारा मसीहा	1	नामकरण
	2	जीवनी कला के परिप्रेक्ष्य में
	3	संवेदनशील ह्रदय का अकंन
	4	उद्देश्य
	5	चरित्र चित्रण
	6	भाषा शैली

कहानी संग्रह पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प

चंद्रगुप्त चंद्रगुप्त की ऐतिहासिकता, नायकत्व, राष्ट्रीयता, रंगमंच की दृष्टि से चंद्रगुप्त ।
आधे–अधूरे आधुनिकता बोध, परिवार संस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र –चित्रण ।
निबंध पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का मूल प्रतिपाद्य एवं शिल्प

सहायक ग्रंथ

1 गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ0 रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार ।
2 प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
3 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
5 प्रेमचंद : डॉ0 गंगा प्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
6 कहानी : नई कहानी–डॉ0 नामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद ।
7 हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8 कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
9 हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली ।
10 हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्रा : डॉ0 वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना
11 नई कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
12 हिंदी कहानी : रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।
13 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास–डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
14 प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना–गोविन्द चातक, साहित्य भारती, दिल्ली ।

15 मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद ।
16 आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश, डॉ0 गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दल्ली।
17 नाटककार मोहन राकेश : जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
18 मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : डॉ0 पुष्पा बंसल, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।
19 समसामयिक हिंदी नाटकों में चरित्र सृष्टि : सामयिक प्रकाशन, दिल्ली ।
20 हिंदी नाट्य चिंतन : डॉ0 कुसुम कुमार, साहित्य भारती, दिल्ली ।
21 भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ0 नगेन्द्र, एस. चांद एंड कंपनी, दिल्ली ।
22 रंगमंच : बलवंत गार्गी : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
23 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल निबंध यात्रा : डॉ0 कृष्ण देव, इतिहास, शोध संस्थान, नई दिल्ली ।
24 हिंदी साहित्य में निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।
25 सरदार पूर्ण सिंह : राम अवध शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
26 हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली ।
27 समकालीन ललित निबंध : डॉ0 विमल सिंहल, श्याम प्रकाशन, जयपुर ।
28 आवारा मसीहा : जीवनी के निकष पर, माया मलिक, मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल छः अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा ।
2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 42 अंकों का होगा ।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा ।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।

हिंदी साहित्य का इतिहास
PAPER CODE: HI1003

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

1 हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व – पीठिका
हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा – निर्धारण

2 आदिकाल
नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
वर्गीकरण, सिद्ध, जैन, नाथ, रासो साहित्य
आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ
रासो काव्य–परंपरा
पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता

3 भक्तिकाल
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
भक्ति–आंदोलन
भक्तिकालीन काव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान
संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
सूफी काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
राम काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
कृष्ण काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
भक्तिकाल : स्वर्णयुग

4 रीतिकाल
नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ –
रीतिबद्ध
रीतिसिद्ध
रीतिमुक्त

6 आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास
परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक
1857 ई0 की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण

7 भारतेंदु युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

8 द्विवेदी युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

9 छायावादी काव्य : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

10 उत्तर छायावादी काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ
प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नई कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नवगीत : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

11 हिंदी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास
कहानी उपन्यास
नाटक निबंध

संस्मरण रेखाचित्र
जीवनी आत्मकथा
रिपोर्ताज

12 हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास
13 दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय
14 उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

पठनीय पुस्तकें

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।
3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।
5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।
10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 राम सजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।
13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना।
15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।
17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक काल में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा । पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या छः होगी । परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 60 अंकों का होगा ।
2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा ।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।

भाषाविज्ञान
PAPER CODE: HI1004

l e ; समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

1 भाषा
भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
भाषा के अध्ययन क्षेत्र
भाषा की व्यवस्था और व्यवहार
भाषा की संरचना
भाषा के अध्ययन की दिशाएँ ; वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक

2 स्वनविज्ञान
वाग्यंत्र और ध्वनि–उत्पादन प्रक्रिया
स्वन : परिभाषा और वर्गीकरण
स्वनगुण और उनकी सार्थकता
स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ
स्वनिम : स्वरूप और वर्गीकरण

3 व्याकरण
व्याकरणिक इकाइयाँ – वर्ण, शब्द, पद, पदबंध, वाक्य
व्याकरणिक कोटियाँ – वचन, पुरुष, लिंग, काल, कारक
भाषा की इकाई के रूप में वाक्य
अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद
वाक्य की गहन संरचना और बाह्य संरचना

4 अर्थ विज्ञान
अर्थ की अवधारणा, शब्द – अर्थ संबंध
अर्थ–बोध के साधन
एकार्थकता, अनेकार्थता
अर्थ – परिवर्तन की दिशाएँ

5 भाषा – लिपि एवं अन्य विषय–संबंध
भाषा और लिपि के घटकों के संबंध
भाषाविज्ञान और अन्य शास्त्रों/विषयों से संबंध
भाषाविज्ञान और व्याकरण, भाषाविज्ञान और साहित्य
व्यतिरेकी भाषाविज्ञान
समाज भाषाविज्ञान

6 हिंदी भाषा का इतिहास
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : परिचय
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय – हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

7 हिंदी का विकासात्मक स्वरूप
हिंदी की उप भाषाएँ :
पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ
पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ
मानक हिंदी का स्वरूप
काव्य – भाषा के रूप में अवधी का विकास
काव्य – भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिंदी के रूप मे खड़ी बोली का विकास
हिंदी की संवैधानिक स्थिति

8 हिंदी का भाषिक स्वरूप
स्वनिम व्यवस्था : स्वर – परिभाषा और वर्गीकरण
व्यंजन – परिभाषा और वर्गीकरण
हिंदी शब्द संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
हिंदी व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, पुरुष, कारक और काल की व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
हिंदी वाक्य रचना
हिंदी के विविध रूप ;बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा

9 नागरी लिपि और हिंदी प्रचार–प्रसार
हिंदी : प्रचार–प्रसार में प्रमुख व्यक्तियों का योगदान
प्रमुख संस्थाओं का योगदान
नागरी लिपि का नामकरण और विकास
नागरी लिपि की वैज्ञानिकता
नागरी लिपि का मानकीकरण

10 हिंदी कंप्यूटिंग
कंप्यूटर परिचय एवं महत्व
आंकडा संसाधन
वर्तनी–शोधन

सहायक ग्रंथ

1 भाषाविज्ञान और मानक हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली–6 2004 ई0
2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी,169,सेक्टर–12,पंचकूला 2006 ई0
3 भाषा और भाषाविज्ञान – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94 2004 ई0
4 भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई0
5 हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई0
6 भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0
7 भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली – 2 2001 ई0
8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0
9 हिंदी : उद्भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद । 1980 ई0
10 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई0
11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना 2000 ई0
12 आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली। 2000 ई0
13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली । 2001 ई0

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित खंडो में से कुल छह प्रश्न पूछे जायेंगे। किसी भी खंड में से एक से अधिक प्रश्न नहीं पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 60 अंकों का होगा ।
2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे । जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।

विशेष रचनाकार कबीरदास
PAPER CODE: HI1005

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

क व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–डॉ0 श्याम सुन्दर दास

प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

निम्नलिखित अंग निर्धारित किए जाते हैं –

1 गुरुदेव कौ अंग	2 सुमिरण कौ अंग	3 बिरह कौ अंग
4 ग्यान बिरह कौ अंग	5 परचा कौ अंग	6 निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7 चितावणी कौ अंग	8 मन कौ अंग	9 माया कौ अंग
10 सहज कौ अंग	11 सॉच कौ अंग	12 भ्रम विधौंषण कौ अंग
13 भेष कौ अंग	14 कुसंगति कौ अंग	15 साथ कौ अंग
16 साध महिमा कौ अंग	17 मधि कौ अंग	18 सारग्राही कौ अंग
19 उपदेश कौ अंग	20 बेसास कौ अंग	21 सबद कौ अंग
22 जीवन मृतक कौ अंग	23 हेत प्रीति कौ अंग	24 काल कौ अंग
25 कस्तूरियॉ मृग कौ अंग	26 निंद्या कौ अंग	27 बेली कौ अंग
28 अबिहड कौ अंग		

पद – निम्नलिखित पद निर्धारित किए जाते हैं–

1, 2, 3, 4, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 16, 21, 23, 24, 32, 34, 37, 38, 39, 41, 42, 43, 48, 49, 51, 52, 53, 56, 57, 59, 60, 61, 64, 69, 80, 84, 89, 91, 92, 99, 100, 111, 117, 120, 129, 132, 136, 139, 153, 156, 165, 169, 175, 180, 181, 184, 219, 224, 226, 233, 234, 235, 251, 258, 273, 286, 289, 298, 304, 306, 307, 310, 311, 312, 313, 317, 323, 330, 336, 337, 338, 342, 356, 359, 361, 367, 370, 371, 377, 378, 382, 383, 387, 389, 390, 394, 396, 400, 402, 405 – 100 पद

2 रमैंणी सम्पूर्ण

ख आलोच्य विषय

1 भक्ति आन्दोलन और कबीर
2 निर्गुणमत और कबीर
3 निर्गुण काव्यपरम्परा और कबीर
4 मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर
5 कबीर का समय
6 कबीर का जीवन वृत्त
7 कबीर का कृतित्व
8 कबीर का समाज दर्शन
9 कबीर का दार्शनिक चिंतन
10 कबीर की भक्ति भावना
11 कबीर का स्त्री विषयक चिन्तन
12 कबीर की मानवतावादी दृष्टि
13 कबीर का रहस्यवाद
14 कबीर के राम
15 कबीर की प्रासंगिकता
16 कबीर के काव्यरूप
17 कबीर की उलटबासियाँ
18 कबीर की प्रतीक योजना
19 कबीर की भाषा

20 कबीर के पारिभाषिक शब्द अलख, सहज, शून्य, निरंजन, रणसम, उन्मानि, अजपाजाम, अनहदनाद, सुरति निरति, नाद बिन्दु, औंधा कुँआ

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति – रामसजन पाण्डेय
2 निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – रामसजन पाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बर दत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
4 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह
6 कबीर मीमांसा – डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप – नजीर मुहम्मद
9 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर – सं0 राम कुमार वर्मा,
11 कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
13 रधुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए छः अवतरण पूछे जाऐंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं और पूरा प्रश्न 28 अंक का होगा ।

2 खंड – ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 42 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।

द्वितीय वर्ष

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

PAPER CODE: HI2001

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

- चन्दरबरदायी : पृथ्वीराज रासो
- पद्मावती समय : संपादक माता प्रसाद गुप्त
- विद्यापति की पदावली : संपादक–रामवृक्ष बेनीपुरी
  निर्धारित पद – 1, 2, 4, 8, 9, 11, 12, 14, 35, 38, 62, 72, 141, 144, 145, 174, 176, 178, 190, 191, 199(अ), 216, 235, 252, 253–कुल 25 पद
- कबीर
  कबीर : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
  निर्धारित अंश (।) पाठ्य साखियाँ–106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 245, 246, 255, 256
  (।।) पाठ्य पद– 110, 130, 134, 137, 159, 160, 163, 168, 184, 192, 207, 209, 211, 212, 215, 218, 224, 227, 228, 229, 236, 247, 250, 253, 254– कुल 25 पद
- सूरदास
  भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल
  पाठ्य पद–21 से 70–कुल 50 पद
- तुलसीदास
  रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड
  81 से 130 तक – कुल 50 दोहे–चौपाइयाँ
  गीता प्रेस गोरखपुर
- बिहारी
  बिहारी रत्नाकार–सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
  निर्धारित दोहे–1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38, 42, 45, 46, 51, 52, 53, 54, 55, 60, 61, 66, 67, 69, 70, 71, 73, 74, 75, 76, 78, 83, 85, 87, 88, 94, 95, 102, 103, 104, 112, 121, 141, 142, 151, 154, 155, 171, 182, 188, 190, 191, 192, 201, 202, 207, 217, 225, 227, 228, 236, 251, 255, 285, 299, 300, 301, 303, 317, 321, 327, 331, 341, 347, 349, 357, 363, 386, 388, 406, 407, 432, 472, 519, 557, 570, 576, 588, 606, 611, 624, 635, 677, 681, 713–100 दोहे

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न

चन्दबरदायी

पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
पृथ्वीराज रासो का वस्तु–वर्णन
पद्मावती समय का काव्य–सौन्दर्य

विद्यापति

विद्यापति : भक्त या शृंगारी कवि
विद्यापति का शृंगार वर्णन
विद्यापति का सौन्दर्यबोध
विद्यापति की गीति–योजना

विद्यापति का काव्य–शिल्प

कबीर

कबीर की सामाजिक विचारधारा
कबीर की निर्गुणोपासना
कबीर की भक्ति
कबीर का दार्शनिक चिन्तन
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का काव्य–शिल्प

सूरदास

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत
सूर की भक्ति भावना
सूर का शृंगार वर्णन
सूर का वात्सल्य वर्णन
सूर की भाषा–शैली
सूर की गीति–योजना
भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

तुलसीदास

- तुलसीदास की भक्तिभावना
- तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि
- तुलसीदास की प्रासंगिकता
- तुलसीदास की समन्वय भावना
- रामचरितमानस का काव्य रूप
- रामचरितमानस का काव्य सौष्ठव

बिहारी
सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई
मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी
बिहारी का शृंगार वर्णन
बिहारी का सौन्दर्यबोध
बिहारी की बहुज्ञता
बिहारी का शिल्प पक्ष

पठनीय पुस्तकें

1 पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ0 द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर
2 चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी त्रिवेदी हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद ।
3 आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ, डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 विद्यापति का सौन्दर्यबोध–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, अनंग प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली ।
5 विद्यापति : व्यक्ति और कवि–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली ।
6 विद्यापति–विश्वनाथ मिश्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
7 कालजयी कबीर–डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरू नानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर ।
8 कबीर मीमांसा–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, वाराणसी ।
9 कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धांत–डॉ0 सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर ।
10 मध्ययुगीन काव्य साधना–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।
11 संत कबीर–रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।

12 संत कवि दादू और उनका काव्य–वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, नई दिल्ली ।
13 तुलसी दर्शन मीमांसा–उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
14 तुलसीदास–चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
15 तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी साहित्य संस्थान, रोहतक।
16 तुलसी का मानस–डॉ0 मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम, कानपुर ।
17 सूर और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
18 सूर की साहित्य साधना–डॉ0 भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरूण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
19 बिहारी और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।
20 हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
21 बिहारी–बच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
22 महाकवि बिहारी का शृंगार निरूपण–डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

निर्देश –

- खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ छः अवतरण व्याख्या के लिए पूछे जाएगें । परीक्षार्थी को चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंक का होगा ।
- प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 42 अंक का होगा ।
- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
- पूरे पाठ्यक्रम में से **दस** वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।

PAPER CODE: HI2002

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

खंड –क

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

काव्य : स्वरूप और प्रकार

- काव्य : अर्थ और परिभाषा
- काव्य–हेतु
- काव्य–प्रयोजन
- काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

रस––सिद्धान्त

- रस : परिभाषा तथा स्वरूप
- रस–निष्पत्ति
- साधारणीकरण सहृदय की अवधारणा

अलंकार सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
रीति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- डॉ0 रामविलास शर्मा

खंड–ख

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
वड्र्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी0 एस0 इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई0 ए0 रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद–

- स्वच्छन्दतावाद
- शास्त्रीयतावाद
- अभिव्यंजनावाद
- मार्क्सवाद
- फ्रायडवाद
- अस्तित्ववाद

सहायक ग्रंथ

1 काव्यशास्त्र –भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
3 भारतीय काव्यशास्त्र –योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4 भारतीय काव्यशास्त्र –सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
6 साहित्यालोचन–श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग ।
7 हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास–भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।
8 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।

9 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10 साहित्य का आधार दर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी ।
11 साहित्य और अध्ययन–गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।
12 हिंदी आलोचना का विकास–डॉ0 सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
13 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
15 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ0 मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।
16 पाश्चात्य काव्यशास्त्र –देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
17 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा–डॉ0 तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली ।
18 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
19 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
20 पाश्चात्य काव्य चिंतन–डॉ0 करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
21 पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ–सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
22 हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ–सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
23 हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार–रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
24 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

<u>निर्देश</u> –

- पूरे पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनो खण्डो में से चार चार दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई दो दो प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 60 अंक का होगा ।

- पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा ।

- पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।

प्रयोजनमूलक हिंदी
PAPER CODE: HI2003

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

खंड – क
प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा

- प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा
- राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, पत्र–लेखन
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

पत्रकारिता

- पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्व
- हिंदी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास
- संवाददाता के गुण
- समाचार लेखन कला
- समाचार के स्रोत
- प्रेस विज्ञप्ति
- संपादक और संपादन
- प्रूफ पठन और संशोधन

खंड –ख
हिंदी कंप्यूटिंग

- कंप्यूटर : परिचय और महत्व
- कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
- इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
- इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र
- इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
- इंटरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ
- मशीनी अनुवाद

मीडिया लेखन

जन संचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
जनसंचार माध्यम :

- मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचार पत्र का साहित्यिक स्वरूप
- श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का भाषाई एवं साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्र आदि) का भाषाई और साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य तत्व और उनका सामंजस्य
- फीचर : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा

खंड ग
अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रक्रिया
- हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार
- काव्यानुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद
- कहानी का अनुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- विज्ञापन का अनुवाद

पारिभाषिक शब्दावली

- भाषाविज्ञान की शब्दावली
- मानविकी शब्दावली
- प्रशासनिक शब्दावली
- कंप्यूटर शब्दावली

सहायक पुस्तकें

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पतंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्राकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

निर्देश :

- पाठ्यक्रम में से निर्धारित प्रत्येक खंड से दो दो प्रश्न दिए जाएंगे । परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 60 अंक का होगा।

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा ।

- पूरे पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।

भारतीय साहित्य

PAPER CODE: HI2004

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

खण्ड क

भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा

भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
भारतीयता का समाजशास्त्र
हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियॉं–

1. उपन्यासः अग्निगर्भ– महाश्वेता देवी बंगला
2. कविता संग्रहः वर्षा की सुबह – सीताकांत महापात्र उडिया
3. नाटकः घासीराम कोतवाल – विजय तेंदुलकर मराठी

खण्ड ख

बांग्ला साहित्येतिहास का परिचयात्मक अध्ययन

चैतन्यपूर्व वैष्णव भक्ति परम्परा : संक्षिप्त परिचय
वैष्णव भक्ति परम्परा में चैतन्य महाप्रभु का योगदान
बांग्ला का इस्लामी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां
बांग्ला नवजागरण आंदोलन और बांग्ला गद्य का विकास
बांग्ला की आधुनिक कहानी : विकास और परम्परा
बांग्ला नाटक : विकास और परम्परा
बांग्ला उपन्यास : विकास और परम्परा

खण्ड ग

हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

हिंदी एवं बांग्ला नवजागरण का तुलनात्मक अध्ययन
भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं बंकिमचंद्र चटर्जी के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन
उपन्यासकार प्रेमचंद एवं शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय की स्त्री–दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन
निराला एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

खण्ड घ

पाठ्य विषय

अग्निगर्भ

1. तात्त्विक समीक्षा
2. कथावस्तु
3. युगीन परिस्थितियाँ
4. संवाद योजना
5. उद्देश्य
6. भाषा शैली

वर्षा की सुबह

1. प्रकृति चित्रण
2. काव्य सौष्ठव
3. वर्षा की सुबह में आशा व आस्था के स्वर

घासीराम कोतवाल

1. तात्त्विक समीक्षा
2. कथावस्तु
3. पात्र योजना
4. संवाद योजना
5. युगीन परिस्थितियाँ
6. भाषा शैली
7. उद्देश्य

सहायक ग्रंथ

1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य–सुकुमार सेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग 2009
2 रवीन्द्र कविता कानन–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्ट विलियम कालेज, लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्म साधना, हजारी प्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1013

निर्देश

खंण्ड क में से दो, खण्ड ख में से चार तथा खण्ड ग में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक प्रश्न करना अनिवार्य है । इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल 4 दीर्घ प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 60 अंक का होगा ।

पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा ।

पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।

(विकल्प– I I)

नाटक और रंगमंच

PAPER CODE: HI2006

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

खण्ड क

- हिंदी नाटक एवं रंगमंच : परिचयात्मक अध्ययन
- हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
- नाटक का तात्विक विवेचन
- नाटक और रंगमंच का अंतः संबंध
- हिंदी रंगमंच का उद्‌भव और विकास
- नाटक में दृश्य–श्रव्य तत्वों का सामंजस्य

खण्ड ख

पाठ्य पुस्तकें :
भारत दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
अजात शत्रुः जयशंकर प्रसाद
अंधा युग : धर्मवीर भारती
एक सत्य हरिश्चन्द्र : लक्ष्मीनारायण लाल
एक कंठ विषपायी : दुष्यंत कुमार
लहरों के राजहंसः मोहन राकेश

आलोच्य विषय

- भारत दुर्दशा : प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, युगीन परिदृश्य, अभिनेयता
- आषाढ़ का एक दिन : मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण, अभिनेयता
- अंधा युग : नाट्य–काव्य की कसौटी पर मूल्यांकन, मूल संवेदना, नामकरण की सार्थकता, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
- एक सत्य हरिश्चन्द्र : प्रतिपाद्य, नामकरण, नायकत्व, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण, अभिनेयता
- एक कंठ विषपायी : नाट्य–काव्य के रूप में मूल्यांकन, मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
- अजातशत्रुः जयशंकर प्रसाद व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व, कथासार, नाट्यकला, संवाद योजना, अभिनेयता, प्रतिपाद्य/उद्‌देश्य, भाषा शैली, पात्र योजना,
- लहरों के राजहंसः नामकरण की सार्थकता, प्रतीकात्मकता, काल्पनिकता एवं ऐतिहासिकता, उद्‌देश्य/प्रतिपाद्य, लहरों के राजहंस की आधुनिकता, अभिनेयता, रंगमंचीयता, भाषा शैली

खण्ड ग

- हिंदी रंगमंच, रंगशाला, अभिनेता, निर्देशक, दर्शक, रंग सज्जा, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, इप्टा

सहायक पुस्तकें

1	रंगमंच	बलवंत गार्गी
2	हिंदी रंगमंच का इतिहास	चंदूलाल दुबे
3	नाटक के रंगमंच प्रतिमान	वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
4	रंगदर्शन	नेमिचंद्र जैन
5	भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास	लक्ष्मीनारायण लाल
6	रंगमंच : देखना और जानना	लक्ष्मीनारायण लाल
7	पारसी हिंदी रंगमंच	लक्ष्मीनारायण लाल
8	आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	संपा0 नेमिचंद्र जैन
9	भारतेंदु की नाट्य–कला	प्रेमनारायण शुक्ल
10	भारतेंदु हरिश्चंद्र	रामविलास शर्मा
11	भारतेंदु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षता	रमेश गौतम
12	नाटककार मोहन राकेश	सुंदरलाल कथूरिया
13	मोहन राकेश की रंग दृष्टि	जगदीश शर्मा
14	आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश	डॉ0 गोविंद चातक
15	अन्धायुग और भारती के अन्य नाट्य प्रयोग	जयदेव तनेजा
16	हिंदी नाटक और लक्ष्मीनारायण लाल की रंगयात्राा	डॉ0 चन्द्रशेखर
17	नाटककार लक्ष्मीनारायणलाल की रंगयात्राा	नरनारायण राय
18	हिंदी के प्रतीक नाटक	रमेश गौतम
19	हिंदी नाटक चिंतक	डॉ0 कुसुम कुमार
20	दुष्यंत कुमार का काव्य : संवेदना और शिल्प	देवीलाल
21	दुष्यंत कुमार के काव्य में युगबोध	प्रकाशचन्द्र
22	दुष्यंत कुमार : रचनाएँ और रचनाकार	अष्टेकर
23	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : व्यक्ति और साहित्य	डॉ0 कल्पना अग्रवाल

निर्देश

खण्ड क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खण्ड ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से 4 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे । जिसमें से दो प्रश्न करना अनिवार्य है । इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल 3 दीर्घ प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 42 अंक का होगा ।

खण्ड ख में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से छः अवतरण संदर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार की व्याख्या करनी होंगी । प्रत्येक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 28 अंक का होगा ।

खण्ड ग में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा ।